



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 95]	नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 22, 2018/चैत्र 1, 1940
No. 95]	NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 22, 2018/CHAITRA 1, 1940

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 22 मार्च, 2018

सं० 67 / 2015-2020

**विषय:** विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) से निर्यात हेतु भारत से व्यापारिक वस्तुओं की निर्यात स्कीम (एमईआईएस) संबंधी आवेदनों की प्रोसेसिंग।

फा.सं. 01/61/180/20/एम-18/पीसी-3.—विदेश व्यापार नीति 2015-20 के पैरा 1.03 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्वारा व्यापार करने की सुगमता में सुधार लाने, प्रक्रियाओं को सरल बनाने, विलम्ब में कमी लाने के उद्देश्य के अनुसरण में एमईआईएस आवेदनों की प्रोसेसिंग से संबंधित प्रावधानों में तत्काल प्रभाव से निम्नानुसार संशोधन करते हैं:

**क. प्रक्रिया पुस्तक 2015-20 का मौजूदा पैरा 3.01 (ग):**

यदि आवेदन ईडीआई पत्तनों के माध्यम से किए गए निर्यात के लिए प्रस्तुत किया जाता है, तब क्षेत्रीय प्राधिकारी नीचे पैरा 3.01 (ज) के प्रावधानों के तहत दस्तावेजों को छोड़कर किसी अन्य दस्तावेज की वास्तविक रूप से माँग नहीं करेगा, अतः आरए के समक्ष निम्नलिखित दस्तावेजों की हार्ड कॉपी प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी: जैसे, डीजीएफटी को आवेदन-पत्रों की हार्ड प्रति, ईडीआई पोतलदान बिल, इलेक्ट्रॉनिक बैंक प्राप्ति प्रमाण-पत्र (ई-बीआरसी) और आरसीएमसी। आवेदक को एचबीपी के पैरा 3.03 के तहत निर्धारित तरीके से उत्तराई का प्रमाण सौंपना होगा।

**प्रक्रिया पुस्तक 2015-20 का संशोधित पैरा 3.01 (ग):**

यदि आवेदन एसईजेड से किए गए निर्यात सहित ईडीआई पत्तनों के माध्यम से किए गए निर्यात के लिए प्रस्तुत किया जाता है, तब क्षेत्रीय प्राधिकारी नीचे पैरा 3.01 (ज) के प्रावधानों के तहत दस्तावेजों को छोड़कर किसी अन्य दस्तावेज की

वास्तविक रूप से माँग नहीं करेगा, अतः आरए को निम्नलिखित दस्तावेजों की हार्ड कॉपी प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी: जैसे, डीजीएफटी को आवेदन-पत्रों की हार्ड प्रति, ईडीआई/एसईजेड पोतलदान बिल, इलेक्ट्रॉनिक बैंक प्राप्ति प्रमाण-पत्र (ई-बीआरसी) और आरसीएमसी। आवेदक को एचबीपी के पैरा 3.03 के तहत निर्धारित तरीके से उतराई का प्रमाण सौंपना होगा।

**ख. प्रक्रिया पुस्तक 2015-20 का मौजूदा पैरा 3.01 (घ):**

यदि गैर ईडीआई पत्तनों के माध्यम से किए गए निर्यात के लिए आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तब आवेदक को गैर-ईडीआई पोतलदान बिलों की निर्यात संवर्धन प्रति सौंपनी होगी। आवेदक को एचबीपी के पैरा 3.03 के तहत निर्धारित तरीके से उतराई का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। आवेदक जब तक अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो, स्क्रिप का दावा करने के लिए निर्धारित किन्ही अन्य दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रति अपलोड करेंगे। तथापि, आवेदक को इस मामले में भी डीजीएफटी को आवेदनों, इलेक्ट्रॉनिक बैंक प्राप्ति प्रमाण-पत्र (ई-बीआरसी) और आरसीएमसी की हार्ड प्रति सौंपने की आवश्यकता नहीं होगी।

**प्रक्रिया पुस्तक 2015-20 का संशोधित पैरा 3.01 (घ):**

यदि गैर ईडीआई पत्तनों (एसईजेड से भिन्न) के माध्यम से किए गए निर्यात के लिए आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तब आवेदक को गैर-ईडीआई पोतलदान बिलों की निर्यात संवर्धन प्रति सौंपनी होगी। आवेदक को एचबीपी के पैरा 3.03 के तहत निर्धारित तरीके से उतराई का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। आवेदक जब तक अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो, स्क्रिप का दावा करने के लिए निर्धारित किन्ही अन्य दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रति अपलोड करेंगे। तथापि, आवेदक को इस मामले में भी डीजीएफटी को आवेदनों, इलेक्ट्रॉनिक बैंक प्राप्ति प्रमाण-पत्र (ई-बीआरसी) और आरसीएमसी की हार्ड प्रति सौंपने की आवश्यकता नहीं होगी।

**इस सार्वजनिक सूचना का प्रभाव:** एसईजेड से किए गए निर्यात हेतु एमईआईएस आवेदन की प्रोसेसिंग को उपर्युक्त परिवर्तनों के माध्यम से सरल बनाया गया है। अब से आगे एमईआईएस के तहत लाभ का दावा करने हेतु एसईजेड पोतलदान बिलों की वास्तविक प्रति प्रस्तुत किए जाने की आवश्यकता नहीं है।

आलोक वर्धन चतुर्वेदी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

**MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY**

**(Department of Commerce)**

**(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)**

**PUBLIC NOTICE**

New Delhi, the 22nd March, 2018

**No. 67 /2015-2020**

**Subject:** Processing of Merchandise Exports from India Scheme (MEIS) applications for SEZs Exports.

**F. No. 01/61/180/28/AM18/PC-3**—In pursuance of the objective of improving ease of doing business, simplifying the procedures, cutting down delays, the Director General of Foreign Trade, in exercise of the powers conferred under the Paragraph 1.03 of the Foreign Trade Policy 2015-20 hereby amends the provisions relating to processing of MEIS applications as below with immediate effect :

**A. Existing Para 3.01(c) of HBP 2015-20:**

If application is filed for exports made through EDI ports, then the RAs shall not ask for any physical documents except under the provisions of Para 3.01 (h) below and therefore hard copy of the following documents need not be submitted to RA: hard copy of applications to DGFT, EDI shipping bills, electronic Bank Realisation Certificate (e-BRC) and RCMC. The applicant shall submit the proof of landing in the manner prescribed under paragraph 3.03 of HBP.

**Amended Para 3.01(c) of HBP 2015-20:**

If application is filed for exports made through EDI ports **including SEZ exports**, then the RAs shall not ask for any physical documents except under the provisions of Para 3.01 (h) below and therefore hard copy of the following documents need not be submitted to RA: hard copy of applications to DGFT, EDI/ **SEZ** shipping bills, electronic Bank Realisation Certificate (e-BRC) and RCMC. The applicant shall submit the proof of landing in the manner prescribed under paragraph 3.03 of HBP.

**B. Existing Para 3.01(d) of HBP 2015-20:**

In case application is filed for exports made through non EDI ports, then applicant need to submit export promotion copy of non EDI shipping bills. The applicant shall submit the proof of landing in the manner prescribed under paragraph 3.03 of HBP. The applicant shall upload scanned copies of any other prescribed documents for claiming scrip unless specified otherwise. However applicant need not submit hard copy of applications to DGFT, electronic Bank Realisation Certificate (e-BRC) and RCMC in this case also

**Amended Para 3.01(d) of HBP 2015-20:**

In case application is filed for exports made through non EDI ports (**other than SEZs**), then applicant need to submit export promotion copy of non EDI shipping bills. The applicant shall submit the proof of landing in the manner prescribed under paragraph 3.03 of HBP. The applicant shall upload scanned copies of any other prescribed documents for claiming scrip unless specified otherwise. However applicant need not submit hard copy of applications to DGFT, electronic Bank Realisation Certificate (e-BRC) and RCMC in this case also

**Effect of this Public Notice:** The processing of MEIS application for **SEZ exports** has been simplified through the changes as above. Henceforth physical copy of SEZ shipping bills are not required to be submitted for claiming benefits under MEIS .

ALOK VARDHAN CHATURVEDI, Director General of Foreign Trade